Topic ..... Date ..... Page No.....

3. **पंथ - निरपेक्षता :**

इसका तात्पर्य यह है कि हमारा देश किसी एक धर्म या धार्मिक सोच से निर्देशित नहीं होता है यह नागरिकों को किसी भी धर्म को मानने आचरण करने और प्रचार करने का हक प्रदान करता है।

4 **लोकतंत्र :-**

प्रस्तावना लोकतंत्र को एक मूल्य के रूप में दर्शाता है जनता देश के शासकों का निर्वाचन करता है तथा निर्वाचित प्रतिनिधि जनता के प्रति उत्तरदायी होते हैं। भारत के लोग इनको सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार की व्यवस्था के द्वारा करते हैं। यह व्यवस्था "एक व्यक्ति एक मत" के रूप में जाना जाता है। लोकतंत्र के विरोध को स्वीकार करता है। तथा सहिष्णुता को प्रोत्साहित करता है।

5. **गणराज्य :-**

शब्द का तात्पर्य है राष्ट्र का प्रमुख का अध्यक्ष निर्धारित कार्यकाल के लिए चुना जाता है। भारत को गणतंत्रात्मक व्यवस्था के अन्तर्गत राष्ट्र और शासन का प्रमुख एक ही पदाधिकारी राष्ट्रपति होता है।

6. **सामाजिक आर्थिक एवं राजनीतिक न्याय :-**

सामाजिक आर्थिक और राजनीतिक न्याय का लक्ष्य 1917 की रूसी क्रान्ति से प्रेरित है। न्याय का सामान्य अर्थ है कि भेद-भाव की समाप्ति।

Pragya College of Education

Topic ..... Date ..... Page No.....

7 प्रतिष्ठा और अवसर की समानता, आगे बढ़ने के समान अवसर तथा मानव होने के आधार पर समान है।

8 व्यक्ति की गरिमा राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता :-

बंधुता शब्द राष्ट्र के सभी नागरिको के बीच भावनात्मक संबंधो को दूर करने का आदेश प्रस्तुत करता है जैसा की परिवार के सदस्यों के बीच मे होता है भावनात्मक एकता के अभाव मे न तो व्यक्ति सम्मान की रक्षा की जा सकती है और न ही राष्ट्र की एकता और अखंडता सुरक्षित रह सकती है।

9. विचार अभिव्यक्ति विश्वास धर्म और उपासना की स्वंतत्रा इत्यादि।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 के अनुसार पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तके न शिक्षा के उद्देश्य :-

किसी भी देश की शिक्षा प्रणाली संशक्त या कमजोर होना अगर शिक्षा प्रणाली दोषपूर्ण है तो देश प्रगति नही कर सकता है। यह तभी संभव है जब उस देश के नागरिक सचेत, जागरूक, देश के प्रति इमानदार हो और अपने कर्तव्य का पालन करने के लिए तत्पर हो। भारत के तात्कालिन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने शिक्षा प्रणाली मे मूल-भूत परिवर्तन की अवश्यकता समझते हुए 1986 मे राष्ट्रीय शिक्षा निति की स्थापना की।

Pragya College of Education

Topic .... Date .... Page No........

नई शिक्षा नीति की विशेषताएँ :-

शिक्षा का सार एवं भूमिका :

1) सबके लिए अनिवार्य शिक्षा का प्रावधान।
2) भौतिक एवं आध्यात्मिक विकास की नींव।
3) शिक्षा, सांस्कृतिक, राष्ट्रप्रेम, देशभक्ति, सामाजिक मूल्यों नैतिक मूल्यों के विकास में योगदान देता है।
4) मनुष्य की शक्तियों का विकास तभी सम्भव है। जब बालक को सही वातावरण और अवसर प्रदान किए जाए।
5) अनुसंधान और विकास का आधार।

शिक्षा की राष्ट्रीय प्रवृति :-

संविधान में जो आधारभूत सिद्धान्त हैं उनके आधार पर नई शिक्षा नीति की आधारशिला रखी गई है —

i) शिक्षा ढांचे में समरूपता।
ii) राष्ट्रीय पाठ्यक्रम।
iii) सीखने का न्यूनतम स्तर।
iv) अनुसंधान एवं विकास पर विशेष बल।
v) विज्ञान और गणित की शिक्षा पर बल।
vi) परीक्षा और मूल्यांकन।

Pragya College of Education

Topic ..... Date ..... Page No.....

शिक्षा में समानता हो बिना किसी भेदभाव के :

i) नारी शिक्षा पर बल।
ii) अनुसूचित जातियों एवं कबिलों के लिए शिक्षा।
iii) विकलांगों के लिए शिक्षा।
iv) प्रौढ़ शिक्षा।

राष्ट्रीय पाठ्यक्रम :-

शिक्षा की राष्ट्रीय नीति में सामान्य शिक्षा ढांचे को 1972 राष्ट्रीय पाठ्यक्रम में भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास की बात कही गई थी। और छात्र-छात्राओं को भारतीय संस्कृति की समानता परिवार नियोजन, वैज्ञानिक दृष्टिकोण आदि जैसे विषयों का ज्ञान देने की व्यवस्था पर जोर दिया है। पाठ्यक्रम में केवल राष्ट्रीय महत्व के विषयों की चर्चा ही नहीं बल्कि अंतर्राष्ट्रीय सूझ-बूझ की भावना को विकसित करने पर भी बल दिया गया।

अन्य प्रमुख बातें भी सम्मिलित की गई है:-

i) शिक्षा में सांस्कृतिक अंश का पुट।
ii) मूल्य शिक्षा।
iii) भाषाओं का विकास।
iv) गुणात्मक पुस्तकें उपलब्ध कराना।
v) पुस्तकालयों का सुधार।
vi) शिक्षा टेक्नालॉजी पर बल देना।
vii) पाठ्य में कार्य अनुभव को विशेष स्थान देना।
viii) गणित को शिक्षा का संबंध आधुनिक तकनीकि पद्धतियों से जोड़ना।

Pragya College of Education

9) खेल तथा शारीरिक शिक्षा
10) युवा वर्ग की भूमिका राष्ट्र नव-निर्माण में।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 1986 का मूल्यांकन :-

1) यह शिक्षा के अवसरों में समानता पैदा करने में सहायक है।
2) विद्यार्थियों के दिमाग की संकीर्णता को दूर करने में सहायक।
3) नीति वास्तविक रोजगार के अवसरों तथा संसार के कार्यों में तालमेल स्थापित करने में सहायक।
4) यह विकास के साथ-साथ राष्ट्रीय एकता की भावना को भी जागरूक करती है।
5) यह शिक्षा नीति भारतीय संविधान की प्रस्तावना में दिखाए गए आधारभूत और अनिवार्य मूल्यों पर आधारित होने के कारण, प्रत्येक व्यक्ति की शिक्षा के लिए हर्ष्टि हो।

पाठ्यपुस्तक कैसी होनी चाहिए :?

पुस्तक की रुचि के अनुसार पाठ्यपुस्तक के अनुसार शिक्षा होनी चाहिए। अच्छी छपाई होनी चाहिए बच्चों के स्तर के अनुकूल होनी चाहिए। अच्छे से तथ्यात्मक सामग्री दी जाती है विषय से संबंधित सामग्री स्पष्ट और व्यवस्थित और तर्क संगत हो। Part sage

उदाहरण स्पष्ट हो बच्चों के लिए योजना या क्रियाकलाप करने से संबंधित कुछ सामग्री होनी चाहिए।

Pragya College of Education

Topic .... Date .... Page No. ....

कक्षा -10 की पाठ्यपुस्तक और पाठ्यक्रम संविधान और NPE - 1986 के अनुसार है या नहीं इसका विश्लेषण करो।

कक्षा = X^{th} पुस्तक = सामाजिक विज्ञान

- ☆ पाठ्यक्रम के शुरुआत मे ही पाठ्य संबंधी जानकारी दी गई।
- ☆ Section and sub section heading हर एक पाठ के दिए जाते।
- ☆ पाठ्य पुस्तक के uso photos, collage, चित्र और पोस्टर आदि बहुत जगह पर दी गई है जैसा कि X^{th} मे थे।
- ☆ मुन्नी और उन्नी के द्वारा पाठों को पढ़ाया गया है। जैसा की IX^{th} थे अब वे बड़े हो गए है।
- ☆ Plus Boxes सामग्री से संबंधित बनाए गए है। कुछ Boxes मे इनसे संबंधित महत्वपूर्ण सूचनाए दी गई है।
- ☆ महत्वपूर्ण शब्दो का शब्दकोष भी दिया गया है।
- ☆ हर पाठ के पीछे मूल्यांकन करने के लिए प्रश्न दिए गए है। जो छात्र और अध्यापक के लिए आवश्यक है
- ☆ शक्ति विकेंद्रीकरण, प्रजातंत्र, सहापाद, विविधता, लिंग जाति और प्रसिद्ध संघर्ष आन्दोलन राजनीतिक पार्टियां प्रजातंत्र की चुनौतियां आदि ये सब हमारे लोकतंत्र को समझने के लिए है। इन से हम उन सब के बारे मे सोचते है। संविधान मे वर्णित है।

Pragya College of Education

Topic .... Date .... Page No...............

खण्ड -1

इसमें यूरोप मे राष्ट्रवाद का उदय और भारत मे राष्ट्रवाद का उदय किस प्रकार हुआ यह क्रिया दिया गया है, जिससे बच्चों की समझ बढ़ सके।

खंड -2

इसमें भूमण्डलीकृत विश्व कैसे बना औद्योगीकरण कब से शुरू हुई हुई।

खंड -3

इसमे मुद्रण संस्कृति और आधुनिक दुनिया उपन्यास समाज और इतिहास के बारे मे वर्णन किया गया है।

इन सब मे हमें अंतर्राष्ट्रीय संबंध यूरोप के राष्ट्रवाद के समय कौन-कौन से आंदोलन हुए इन सब को बार में बारे मे वर्णन किया गया है।

इन सब से हमे अंतर्राष्ट्रीय संबंध यूरोप मे राष्ट्रवाद के समय कौन-कौन से आंदोलन हुए इन सब के बारे मे पता चलता है।

हर चीज की विशेषताएं के साथ-साथ उसकी कुछ कमियाँ भी होती है। ऐसे ही हमारी सामाजिक अध्ययन की पाठ्यपुस्तक मे भी कुछ कमियां है।

- पुस्तक की बाइंडिंग Binding मे कमी है जो जल्दी खुल जाती है।
- उनके मानसिक स्तर के अनुकूल नहीं है।
- पेज की गुणवत्ता अच्छी नहीं है।

Pragya College of Education

Class world Specail quality Teacher Remarks's ....

Topic .... Date .... Page No........

- विषय सामग्री ज्यादा है। जो अतिरिक्त बोझ डालती है।
- विधियाँ जगह - जगह पर अलग - अलग दी गई है जो बच्चों को भ्रमित करती है।
- भाषा सरल नहीं है।
- कवर पेज आकर्षण व ~~बाज~~ मजबूत नहीं है।
- उचित चिजों का आभाव

पाठ्य पुस्तक के पाठ्यक्रम के मूल्यांकन के लिए अच्छे विधियाँ नहीं है।

निष्कर्ष :

अतः मे हम कह सकते है कि हमारी 3.5 की NCERT पुस्तक बहुत अच्छी है इसमें हमारे संविधान के वर्णित मूल्यों का वर्णन भी किया है ~~इसमें हमारे~~ आधारित ये अ मूल्यों का प्राप्ति मे सहायक है। साथ ही साथ NPE 1986 के अनुसार शिक्षा मे आयी खामियो को दूर करने का प्रयास भी किया गया है। यह पुस्तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति को दिय गए है। यह पुस्तक राष्ट्रीय ~~निर्देश~~ निर्देशो मे अनुकूल बनायी गयी है। इसका पाठ्यक्रम राष्ट्र के विकास के लिए बहुत ही उपयोगी है जो संविधान के वर्णित मूल्यों की पूर्ति मे सहायक है।

Teacher Remarks's ....

Pragya College of Education